आर्ष परम्परा के संवाहक स्व0 आचार्य राजवीर शास्त्री

मान्यवर,

लेखनी के धनी, गुरुकुल झज्जर के आदिकालीन सुयोग्यतम एवं यशस्वी स्नातक, महर्षि दयानन्द सरस्वती प्रोक्त आर्ष परम्परा के संवाहक, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट की मासिक पत्रिका, 'दयानन्द संदेश' के अनेक दशकों तक अवैतनिक सम्पादक, 'वैदिक कोश' के निर्माता, पातंजल योग दर्शन और उपनिषदों के सुविख्यात भाष्यकार, मनुप्रोक्त धर्मशास्त्र के प्रख्यात पंडित और व्याकरण के उद्भट विद्वान् आचार्य राजवीर शास्त्री का 25 सितम्बर 2014 को निधन हो गया है। ऐसे महनीय व्यक्तित्व और कृतित्व के धनी आचार्य प्रवर की जयंती 04 अप्रैल 2016 को ससमारोह आयोजित की जानी है। इस अवसर पर उनकी स्मृति को स्थायित्व प्रदान करने हेतु एक स्मृति ग्रन्थ, **''आर्ष परम्परा के संवाहक स्व0 आचार्य राजवीर शास्त्री''** का प्रकाशन किया जाएगा। अतः आर्यजगत् के समस्त विद्वानों/आर्य बन्धुओं से निवेदन है कि कृपया निम्न रूप में अपना सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें–

1. आचार्य प्रवर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के सम्बन्ध में लेख भेज कर।
2. आचार्य जी के सबन्ध में स्वानुभूत संस्मरण भेज कर।
3. यदि किसी सज्जन के पास आचार्य जी का कोई लेख, सम्पादकीय, पत्राचार, जीवन प्रवाह के किसी भी पहलू पर फोटो आदि उपलब्ध हों तो उन्हें भिजवाने की कृपा करें।

निवेदन है कि उक्त सामग्री एवं लेख आदि कृपया 31 अक्टूबर 2015 तक अवश्य प्रेषित करने का कष्ट करें।

निवेदक

डा0 दिनेशचन्द्र शास्त्री
मृदुल भवन
योगी विहार (क्लासिक होटल के पीछे)
पो0– ज्वालापुर–249407, हरिद्वार,
उत्तराखण्ड
मो0 09410192541
E-mail : dineshcshastri@gmail.com